SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Film Production Specialist

फ़िल्म निर्माण विशेषज्ञ वह रचनात्मक पेशेवर है जो कहानियों को पर्दे पर जीवंत करता है — निर्देशन, छायांकन (कैमरा), संपादन, ध्वनि और प्रोडक्शन जैसे विभागों में काम करता है। यह करियर कल्पना, तकनीक और टीमवर्क का मेल है। OTT, विज्ञापन,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/film-production

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

फ़िल्म निर्माण विशेषज्ञ वह रचनात्मक पेशेवर है जो कहानियों को पर्दे पर जीवंत करता है — निर्देशन, छायांकन (कैमरा), संपादन, ध्वनि और प्रोडक्शन जैसे विभागों में काम करता है। यह करियर कल्पना, तकनीक और टीमवर्क का मेल है। OTT, विज्ञापन, यूट्यूब और सिनेमा के दौर में इसकी माँग तेज़ी से बढ़ रही है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कक्षा 12 (कोई भी संकाय); फिर फ़िल्म/मास-कॉम डिग्री या डिप्लोमा
कार्य-शैली	प्रोजेक्ट-आधारित; सेट/आउटडोर शूट, स्टूडियो व एडिट लैब; अक्सर फ्रीलांस
माँग (2026)	उच्च — OTT, विज्ञापन व डिजिटल कंटेंट से लगातार बढ़ती
शीर्ष आय	अनुभवी निर्देशक/DOP/एडिटर प्रति प्रोजेक्ट लाखों–करोड़ों तक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कहानियाँ, फ़िल्में और दृश्य-कला में गहरी रुचि
- टीम के साथ रचनात्मक परियोजनाएँ बनाना
- कैमरा, तकनीक और नए गैजेट्स के साथ प्रयोग

क्षमताएँ

- दृश्य कल्पना और सौंदर्य-बोध
- नेतृत्व, संवाद और समस्या-समाधान कौशल
- धैर्य, समय-प्रबंधन और लंबे घंटों की सहनशक्ति

ज़रूरी कौशल

- कैमरा व छायांकन (लाइटिंग, कंपोज़िशन, लेंस)
- कहानी-कथन और पटकथा-बोध
- ध्वनि रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग व साउंड डिज़ाइन
- वीडियो संपादन (Adobe Premiere Pro / DaVinci Resolve)
- निर्देशन और अभिनेता/शॉट-प्रबंधन
- प्रोडक्शन प्लानिंग व बजट-प्रबंधन

- रंग-सुधार (color grading) व बुनियादी VFX

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय में पूरी करें; साथ-साथ मोबाइल/कैमरे से शॉर्ट फ़िल्में बनाना शुरू करें।
2. फ़िल्म/मास-कम्युनिकेशन में डिग्री या डिप्लोमा लें (या मज़बूत स्व-शिक्षा + ऑनलाइन कोर्स)।
3. अपना 'रील'/पोर्टफोलियो बनाएँ — शॉर्ट फ़िल्में, विज्ञापन, यूट्यूब वीडियो।
4. सेट पर सहायक (असिस्टेंट) के रूप में जुड़ें और अनुभव लें।
5. किसी एक विभाग में विशेषज्ञता चुनें — निर्देशन, कैमरा, एडिट या साउंड।
6. नेटवर्क बनाएँ, फ़िल्म-फेस्टिवल में भाग लें और लगातार काम करते रहें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- FTII (पुणे) व SRFTI (कोलकाता) की प्रवेश परीक्षा (FTII-JET/SRFTI-JET)।
- कई भूमिकाएँ परीक्षा-आधारित नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो/रील-आधारित होती हैं।
- विश्वविद्यालय मास-कॉम प्रवेश (जैसे हरिदेव जोशी वि.वि., राजस्थान वि.वि., IIMC प्रवेश)।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Haridev Joshi University of Journalism & Mass Communication — जयपुर (https://hju.ac.in/)
- Centre for Mass Communication, University of Rajasthan — जयपुर (https://masscom.uniraj.ac.in/)
- Film and Television Institute of India (FTII) — पुणे (https://ftii.ac.in/)
- Satyajit Ray Film & Television Institute (SRFTI) — कोलकाता (https://srfti.ac.in/)
- Indian Institute of Mass Communication (IIMC) — नई दिल्ली (https://www.iimc.gov.in/)

निजी संस्थान

- Jaipur School of Mass Communication, JECRC University — जयपुर (https://jecrcuniversity.edu.in/program/jaipur-school-of-mass-communication/)
- Whistling Woods International — मुंबई (https://www.whistlingwoods.net/)

ऑनलाइन

- FTII online & short courses — ऑनलाइन (https://ftii.ac.in/)
- Whistling Woods online programmes — ऑनलाइन (https://www.whistlingwoods.net/)

फ़ीस

सरकारी संस्थानों (FTII/SRFTI/IIMC/राजस्थान वि.वि.) में शुल्क अपेक्षाकृत कम — लगभग ₹20,000 से ₹3–5 लाख प्रति कोर्स तक। निजी फ़िल्म स्कूलों (व्हिसलिंग वुड्स आदि) में ₹5–20 लाख तक हो सकता है। स्व-शिक्षा + शॉर्ट फ़िल्में सबसे किफ़ायती रास्ता है।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Rajasthan Govt. scholarship schemes (via SSO portal) (https://sso.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

शूटिंग सेट, आउटडोर लोकेशन, स्टूडियो, एडिट व साउंड लैब, प्रोडक्शन हाउस के दफ़्तर तथा घर से रिमोट एडिटिंग।

कार्य-संस्कृति

रचनात्मक व ऊर्जावान, पर अनियमित घंटे और प्रोजेक्ट-आधारित दबाव। टीमवर्क, डेडलाइन और यात्रा आम हैं।

कौन नौकरी देता है

- फ़िल्म प्रोडक्शन हाउस (बॉलीवुड व क्षेत्रीय)
- विज्ञापन-फ़िल्म व क्रिएटिव एजेंसियाँ
- यूट्यूब/डिजिटल कंटेंट स्टूडियो व क्रिएटर
- OTT प्लेटफ़ॉर्म (Netflix, Prime Video, JioHotstar आदि)
- टीवी चैनल व न्यूज़ नेटवर्क
- फ़्रीलांस व स्वयं का प्रोडक्शन हाउस

माँग (2026)

2026 में OTT, विज्ञापन, शादी-सिनेमैटोग्राफी और डिजिटल कंटेंट के विस्फोट से कुशल कैमरा, एडिट व साउंड पेशेवरों की माँग उच्च है। स्किल और अच्छा पोर्टफोलियो सबसे बड़ी पूँजी है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. असिस्टेंट (सहायक निर्देशक/कैमरा/एडिट/साउंड)
2. एसोसिएट (सह-निर्देशक/सह-DOP/सह-एडिटर)
3. विशेषज्ञ (DOP / एडिटर / साउंड डिज़ाइनर / मुख्य AD)
4. निर्देशक / निर्माता / अपना प्रोडक्शन हाउस

कमाई

शुरुआत	₹15,000–30,000/माह (असिस्टेंट/शुरुआती)
मध्य स्तर	₹50,000–1.5 लाख/माह (अनुभवी विशेषज्ञ)
वरिष्ठ स्तर	₹3 लाख+/माह या प्रति प्रोजेक्ट लाखों–करोड़ों

आय बहुत परिवर्तनशील है — प्रोजेक्ट, शहर, प्रतिष्ठा और फ्रीलांस बनाम नौकरी पर निर्भर।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- रचनात्मक व संतोषजनक — अपनी कल्पना को पर्दे पर देखना
- बढ़ता उद्योग, विविध अवसर (सिनेमा, OTT, विज्ञापन, डिजिटल)
- बिना बड़े 'कनेक्शन' के भी प्रतिभा व मेहनत से आगे बढ़ना संभव

चुनौतियाँ

- अनियमित आय और शुरुआती संघर्ष
- लंबे घंटे, यात्रा और उच्च प्रतिस्पर्धा
- सफलता में समय लगता है; नौकरी की सुरक्षा कम

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rima Das
स्व-शिक्षित फ़िल्म निर्देशक, छायाकार व संपादक

असम के एक गाँव (छायगाँव) से आने वाली रीमा दास ने किसी फ़िल्म स्कूल में पढ़े बिना, यूट्यूब और फ़िल्म-फेस्टिवल देखकर सिनेमा सीखा। अपने कैमरे से उन्होंने 'विलेज रॉकस्टार्स' की कहानी लिखी, शूट की और खुद ही संपादित किया — यह फ़िल्म भारत की ओर से ऑस्कर में भेजी गई और राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

The Hollywood Reporter · https://www.hollywoodreporter.com/news/general-news/rima-das-oscar-contender-village-rockstars-1154065/

Anurag Kashyap
फ़िल्म निर्देशक, पटकथा लेखक व निर्माता

गोरखपुर (उ.प्र.) के एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले अनुराग कश्यप ने प्राणी-विज्ञान पढ़ा, पर 'बाइसिकल थीव्स' देखकर फ़िल्मकार बनने का निश्चय किया। बिना किसी फ़िल्मी पृष्ठभूमि के मुंबई पहुँचकर सालों संघर्ष किया, फिर 'सत्या' के लेखन से पहचान मिली और 'गैंग्स ऑफ़ वासेपुर' जैसी फ़िल्मों से विश्व-स्तरीय निर्देशक बने।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Anurag_Kashyap

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. भारतीय फ़िल्म एवं टेलीविज़न संस्थान (FTII) — https://ftii.ac.in/
2. सत्यजित रे फ़िल्म एवं टेलीविज़न संस्थान (SRFTI) — https://srfti.ac.in/
3. भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC) — https://www.iimc.gov.in/
4. राष्ट्रीय करियर सेवा (NCS) — https://www.ncs.gov.in/
5. हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय — https://hju.ac.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in